



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 161]
No. 161]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, मार्च 31, 1983/चैत्र 10, 1905
NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 31, 1983/CHAITRA 10, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)
आवेश
नई दिल्ली, 31 मार्च, 1983

का. आ. 271(अ)/18क/आई.डी.आर.ए./83 :—भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास विभाग मंत्रालय के आदेश संख्या का.आ. 608(अ)/18क/आई.डी.आर.ए./72, तारीख 18 दिसम्बर, 1972, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा मीगम इंडिया रबर मैन्यूफैक्चरर्स लिमिटेड, कलकत्ता नामक औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध ग्रहण 17 दिसम्बर, 1977, तक की अवधि के लिए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, किया गया था,

और भारत सरकार के आदेश सं. का.आ. 638(अ)/16क/आई.डी.आर.ए./77 तारीख 26 अगस्त, 1977 द्वारा उक्त आदेश को 17 सितम्बर, 1979 तक की और अवधि के लिए जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, विस्तारित किया गया था;

और भारत सरकार के आदेश सं. का.आ. 520(अ)/16क/आई.डी.आर.ए./79, तारीख 17 सितम्बर, 1979, का आ. 11(अ)/18क/आई.डी.आर.ए./81, तारीख 17 सितम्बर, 1982

1981, का.आ. 138(अ)/18क/आई.डी.आर.ए./82, तारीख 17 मार्च, 1982, का आ. 674(अ)/18क/आई.डी.आर.ए./82, तारीख 17 सितम्बर, 1982 तथा का.आ. 867(अ)/18क/आई.डी.आर.ए./82, तारीख 31 दिसम्बर, 1982 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 31 मार्च, 1983 तक की और अवधि के लिए जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है और बढ़ा दी गई थी।

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त आदेश 30 सितम्बर, 1983 तक की और अवधि के लिए प्रभावी बना रहना चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 63) की धारा 18क के परन्तक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निवेदन देती है कि उक्त आदेश 30 सितम्बर, 1983 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है प्रभावी बना रहेगा।

1का.सं. 2(13)/80-सो.यू.एस.।
ए.पी. सरधन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 31st March, 1983

S.O. 271(E)/18A/IDRA/83.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial

Development No. S.O. 608(E)/18A/IDRA/72, dated the 18th September, 1972 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the industrial undertaking known as the Indian Rubber Manufacturers Limited, Calcutta, has been taken over for a period upto and inclusive of the 17th September, 1977;

And, whereas by the Order of the Government of India No. S.O. 638(E)/18A/IDRA/77, dated the 26th August, 1977 the said Order was extended for a further period upto and inclusive of the 17th September, 1979;

And, whereas by the Orders of the Government of India No. S.O. 520(E)/18A/IDRA/79 dated the 17th September, 1979, No. S.O. 704(E)/18A/IDRA/81, dated the 17th September, 1981, No. S.O. 138(E)/18A/IDRA/82, dated the 17th March, 1982, No. S.O. 674(E)/18A/IDRA/82, dated the 17th September, 1982, and No. S.O. 867(E)/18A/

IDRA/82 dated the 31st December, 1982, the duration of the said Order was further extended for a further period upto and inclusive of the 31st March, 1983;

And, whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the said Order should continue to have effect for a further period upto and inclusive of 30th September, 1983;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the provision of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 30th September, 1983.

[F. No. 2(13)/80-CUS]
A. P. SARWAN, Jt Secy.